Toppersnotes®
Unleash the topper in you

UPSSSC

AGTA

प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी मुख्य परीक्षा

भाग - 1

कृषि अर्थव्यवस्था, फसल विज्ञान एवं मृदा विज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	कृषि अर्थव्यवस्था एवं योजनाएँ	1
2	फसल विज्ञान	50
3	मृदा एवं जल प्रबंधन	133

1 अध्याय
कृषि अर्थव्यवस्था एवं योजनाएँ

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व (Importance of Agriculture in Uttar Pradesh Economy)

मुख्य तथ्य (Key Facts)

- उत्तर प्रदेश भारत के सबसे बड़े कृषि राज्यों में से एक है।
- लगभग 65–70% जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है।
- कृषि निम्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देती है:
  - ✓ राज्य GDP (GSDP)
  - ✓ रोजगार
  - ✓ खाद्य सुरक्षा
  - ✓ कृषि आधारित उद्योग

एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व (Why Agriculture is Important for One Trillion Economy?)

- कृषि निम्न क्षेत्रों को समर्थन देती है:
  - ✓ आय सृजन
  - ✓ ग्रामीण रोजगार
  - ✓ उद्योगों के लिए कच्चा माल
  - ✓ निर्यात
  - ✓ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
  - ✓ गरीबी में कमी
  - ✓ संतुलित क्षेत्रीय विकास
- कृषि विकास के बिना एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि ग्रामीण मांग और कृषि उद्योग खेती से जुड़े हैं।

उत्तर प्रदेश–अग्रणी कृषि राज्य (Uttar Pradesh – Leading Agricultural State)

प्रमुख उपलब्धियाँ (Major Achievements)

- उत्तर प्रदेश निम्न क्षेत्रों में शीर्ष राज्यों में शामिल है:

फसल / उत्पाद	स्थान
गन्ना	प्रथम
खाद्यान्न	प्रथम
आलू	प्रथम
दूध उत्पादन	प्रथम
आम उत्पादन	अग्रणी
अमरूद उत्पादन	अग्रणी

इन उपलब्धियों से लाभ :

- किसानों की आय में वृद्धि
- कृषि प्रसंस्करण उद्योग का विकास
- निर्यात आय में वृद्धि
- ग्रामीण औद्योगिकीकरण

खाद्यान्न उत्पादन का योगदान (Contribution of Food Grain Production)

प्रमुख खाद्यान्न :

- गेहूँ
- धान
- दलहन
- मक्का
- मोटा अनाज (Millets)

गेहूँ उत्पादन (Wheat Production)

- उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा गेहूँ उत्पादक राज्य है।

अर्थव्यवस्था में योगदान

- खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है
- आटा मिलों को समर्थन
- रोजगार सृजन
- मंडी व्यापार में वृद्धि
- निर्यात को बढ़ावा

धान उत्पादन (Rice Production)

- पूर्वी उत्तर प्रदेश धान की खेती के लिए प्रसिद्ध है।

आर्थिक महत्व

- चावल मिलों को समर्थन
- खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा
- ग्रामीण रोजगार सृजन
- निर्यात अवसरों में वृद्धि

दलहन एवं मोटा अनाज (Pulses and Millets)

- सरकार निम्न को बढ़ावा दे रही है:
  - ✓ पोषक अनाज (Nutri-cereals)
  - ✓ जलवायु अनुकूल खेती

लाभ

- मिट्टी की उर्वरता में सुधार
- बेहतर पोषण
- फसल विविधीकरण
- किसानों की आय में वृद्धि

गन्ना एवं चीनी उद्योग का योगदान (Sugarcane and Sugar Industry Contribution)

गन्ने का महत्व

- उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य है।

प्रमुख गन्ना क्षेत्र

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश
- मध्य उत्तर प्रदेश

Toppersnotes Unleash the topper in you

एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में भूमिका (Role in One Trillion Economy)

(A) चीनी मिलें (Sugar Mills)

- ✓ चीनी मिलें निम्न अवसर प्रदान करती हैं:
  - प्रत्यक्ष रोजगार
  - परिवहन व्यवसाय
  - ग्रामीण औद्योगिक विकास

(B) एथेनॉल उत्पादन (Ethanol Production)

- ✓ सरकार एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा दे रही है।

लाभ

- ✓ किसानों की अतिरिक्त आय
- ✓ तेल आयात में कमी
- ✓ हरित ऊर्जा विकास

चीनी उद्योग के उप-उत्पाद (By-products of Sugar Industry)

उप-उत्पाद	उपयोग
बैगास (Bagasse)	बिजली उत्पादन
शीरा (Molasses)	एथेनॉल / अल्कोहल
प्रेसमड (Press Mud)	जैविक खाद

- ➢ इससे ग्रामीण क्षेत्रों में चक्रीय अर्थव्यवस्था (Circular Rural Economy) विकसित होती है।

बागवानी का योगदान (Horticulture Contribution)

प्रमुख बागवानी फसलें :

- ➢ **फल**
  - ✓ आम
  - ✓ केला
  - ✓ अमरूद
  - ✓ आंवला
- ➢ **सब्जियाँ**
  - ✓ आलू
  - ✓ प्याज
  - ✓ टमाटर
  - ✓ मटर

आम अर्थव्यवस्था (Mango Economy)

- ➢ **प्रसिद्ध किस्में**
  - ✓ दशहरी
  - ✓ लंगड़ा
  - ✓ चौसा
- ➢ **आर्थिक योगदान**
  - ✓ निर्यात आय
  - ✓ जूस उद्योग
  - ✓ खाद्य प्रसंस्करण
  - ✓ रोजगार सृजन

आलू उत्पादन (Potato Production)

- ➢ उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा आलू उत्पादक राज्य है।

महत्व

- ✓ कोल्ड स्टोरेज उद्योग
- ✓ आपूर्ति श्रृंखला विकास
- ✓ चिप्स प्रसंस्करण
- ✓ किसानों की आय में वृद्धि

डेयरी विकास और एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था (Dairy Development and One Trillion Economy)

दूध उत्पादन (Milk Production)

- उत्तर प्रदेश दूध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है।

मुख्य डेयरी पशु (Main Dairy Animals)

- गाय
- भैंस

आर्थिक भूमिका (Economic Role) :

रोजगार सृजन (Employment Generation)

- डेयरी से प्राप्त होते हैं:
  - ✓ दैनिक आय
  - ✓ छोटे किसानों को सहायता
  - ✓ महिला सशक्तिकरण

डेयरी उद्योग (Dairy Industry)

- दूध निम्न उद्योगों को समर्थन देता है:
  - ✓ मिठाई उद्योग
  - ✓ पनीर / चीज उत्पादन
  - ✓ दुग्ध प्रसंस्करण
  - ✓ सहकारी विकास

सरकारी पहल (Government Initiatives)

- डेयरी सहकारी समितियाँ
- नस्ल सुधार
- कृत्रिम गर्भाधान
- पशु चिकित्सा सेवाएँ

पशुपालन का योगदान (Animal Husbandry Contribution)

घटक (Components)

- बकरी पालन
- सूअर पालन
- पोल्ट्री पालन
- भेड़ पालन

अर्थव्यवस्था में योगदान (Contribution to Economy) :-

पोल्ट्री क्षेत्र (Poultry Sector)

- अंडा उत्पादन
- पशु आहार उद्योग
- मांस उद्योग

बकरी पालन (Goat Rearing)

- विशेष रूप से महत्वपूर्ण है:
  - ✓ छोटे किसानों के लिए
  - ✓ ग्रामीण महिलाओं के लिए
  - ✓ भूमिहीन मजदूरों के लिए
- पशुपालन ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कृषि आय बढ़ाता है।

मत्स्य विकास (Fisheries Development)

महत्व

- उत्तर प्रदेश में मत्स्य पालन तेजी से बढ़ रहा है।

प्रमुख क्षेत्र (Major Areas)

- पूर्वी उत्तर प्रदेश
- जलाशय क्षेत्र

आर्थिक योगदान (Economic Contribution)

- पोषण सुरक्षा
- निर्यात अवसर
- ग्रामीण रोजगार
- किसानों की आय में वृद्धि

सरकारी सहायता (Government Support)

- मछली बीज वितरण
- मत्स्य प्रशिक्षण
- तालाब विकास

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग (Food Processing Industry)

महत्व

- खाद्य प्रसंस्करण कृषि उत्पादों को मूल्य संवर्धित उत्पादों में बदलता है।

उदाहरण (Examples)

कच्चा उत्पाद	**प्रसंस्कृत** उत्पाद
दूध	पनीर, मक्खन
आलू	चिप्स
आम	जूस, पल्प

आर्थिक लाभ (Economic Benefits)

- कटाई के बाद होने वाले नुकसान में कमी
- औद्योगिक विकास
- निर्यात वृद्धि
- किसानों को बेहतर मूल्य

ODOP योजना (One District One Product)

- उत्तर प्रदेश सरकार जिला-विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देती है।
- **उदाहरण (Examples)**

जिला	**उत्पाद**
कन्नौज	इत्र
मलिहाबाद	आम
आगरा	चमड़ा
भदोही	कालीन

- ODOP कृषि आधारित निर्यात और MSMEs को मजबूत करता है।

कृषि निर्यात (Agricultural Exports)

प्रमुख निर्यात उत्पाद

- बासमती चावल
- प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ
- आम
- चीनी उत्पाद
- अमरूद

एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में योगदान (Contribution to One Trillion Economy)

निर्यात से लाभ

- विदेशी मुद्रा आय
- किसानों की आय में वृद्धि
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार

कृषि आधारभूत संरचना विकास (Agricultural Infrastructure Development)

महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना :

(A) सिंचाई (Irrigation)

- ✓ **प्रमुख सिंचाई स्रोत:**
  - नहरें
  - ड्रिप सिंचाई
  - ट्यूबवेल
- ✓ **महत्व**
  - उत्पादकता में वृद्धि
  - सूखे के प्रभाव में कमी
  - बहुफसली खेती

(B) कोल्ड स्टोरेज (Cold Storage)

- ✓ उत्तर प्रदेश में बड़ी कोल्ड स्टोरेज क्षमता है।

  लाभ
  - बर्बादी रोकता है
  - आलू उद्योग को समर्थन देता है
  - कीमतों को स्थिर करता है

(C) ग्रामीण सड़कें (Rural Roads)

- ✓ बेहतर सड़कें सुधारती हैं:
  - बाजार तक पहुँच
  - आपूर्ति श्रृंखला
  - परिवहन

कृषि विकास में तकनीक की भूमिका (Role of Technology in Agricultural Growth)

आधुनिक कृषि तकनीकें

- प्रिसिजन फार्मिंग
- मृदा परीक्षण
- ड्रोन तकनीक
- मोबाइल आधारित सलाह

लाभ

- ✓ अधिक उत्पादकता
- ✓ उर्वरकों का कुशल उपयोग
- ✓ लागत में कमी
- ✓ बेहतर फसल प्रबंधन

डिजिटल कृषि (Digital Agriculture)

- **सरकारी पहल**
  - ✓ डिजिटल भूमि अभिलेख
  - ✓ ऑनलाइन किसान पंजीकरण
  - ✓ ई-नाम (National Agriculture Market)
- **योगदान**
  - ✓ पारदर्शी विपणन
  - ✓ बिचौलियों के शोषण में कमी
  - ✓ बेहतर मूल्य खोज

कृषि विकास में सहायक सरकारी योजनाएँ (Government Schemes Supporting Agricultural Growth)

महत्वपूर्ण योजनाएँ :

- **PM-KISAN**
  - ✓ किसानों को आय सहायता।
- **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना**
  - ✓ फसल बीमा सुरक्षा।
- **किसान क्रेडिट कार्ड (KCC)**
  - ✓ आसान कृषि ऋण।
- **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना**
  - ✓ बेहतर सिंचाई सुविधाएँ।
- **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन**
  - ✓ फसल उत्पादकता बढ़ाना।
- **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)**
  - ✓ कृषि आधारभूत संरचना विकास।
  - ✓ ये योजनाएँ कृषि उत्पादकता और किसान आय बढ़ाती हैं।

प्राकृतिक खेती और जैविक खेती (Natural Farming and Organic Farming)

महत्व

- उत्तर प्रदेश सरकार बढ़ावा देती है:
  - ✓ जैविक खेती
  - ✓ प्राकृतिक खेती
  - ✓ रसायनों का कम उपयोग

  लाभ
  - ✓ सतत कृषि
  - ✓ निर्यात गुणवत्ता वाले उत्पाद
  - ✓ मिट्टी स्वास्थ्य में सुधार

Toppersnotes
Unleash the topper in you

उत्तर प्रदेश में कृषि चुनौतियाँ (Agricultural Challenges in Uttar Pradesh)

प्रमुख समस्याएँ :-

- **छोटी भूमि जोत :**
  - ✓ भूमि विखंडन लाभप्रदता को कम करता है।
- **जलवायु परिवर्तन**
  - ✓ बाढ़
  - ✓ सूखा
  - ✓ हीट स्ट्रेस
- **कम मशीनीकरण**
  - ✓ विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में।
- **कटाई के बाद नुकसान**
  - ✓ भंडारण और प्रसंस्करण की कमी।
- **किसान ऋण**
  - ✓ आर्थिक तनाव उत्पादकता को प्रभावित करता है।

कृषि विकास के समाधान (Solutions for Agricultural Growth)

महत्वपूर्ण उपाय

- **फसल विविधीकरण (Crop Diversification)**
  - ✓ निम्न फसलों की ओर बदलाव:
    - फल
    - सब्जियाँ
    - दलहन
- **मशीनीकरण (Mechanization)**
  - ✓ उपयोग:
    - ट्रैक्टर
    - हार्वेस्टर
    - ड्रोन
- **किसान उत्पादक संगठन (FPOs)**
  - ✓ सामूहिक खेती और विपणन।
  - ✓ कृषि-प्रसंस्करण का विस्तार
  - ✓ मूल्य संवर्धन में वृद्धि।
  - ✓ सिंचाई का विस्तार
  - ✓ सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियाँ।

रोजगार सृजन में कृषि की भूमिका

- कृषि निम्न प्रकार के रोजगार उत्पन्न करती है:
  - ✓ **प्रत्यक्ष रोजगार**
    - खेती
    - डेयरी
    - मत्स्य पालन
  - ✓ **अप्रत्यक्ष रोजगार**
    - परिवहन
    - भंडारण
    - खाद्य प्रसंस्करण
    - खुदरा व्यापार
    - इससे ग्रामीण आर्थिक विकास को समर्थन मिलता है।

कृषि और ग्रामीण विकास

- कृषि में सुधार से बढ़ते हैं:
  - ✓ ग्रामीण आय
  - ✓ शिक्षा
  - ✓ स्वास्थ्य
  - ✓ जीवन स्तर
- एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गाँवों का विकास आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश कृषि का भविष्य दृष्टिकोण

- **सरकार के प्रमुख फोकस क्षेत्र**
  - ✓ किसानों की आय दोगुनी करना
  - ✓ स्मार्ट कृषि
  - ✓ निर्यात-उन्मुख खेती
  - ✓ कृषि-औद्योगिक कॉरिडोर
  - ✓ जैविक खेती
  - ✓ खाद्य प्रसंस्करण केंद्र
- **अपेक्षित परिणाम**
  - ✓ उच्च GSDP योगदान
  - ✓ निर्यात में वृद्धि
  - ✓ बेहतर रोजगार
  - ✓ ग्रामीण समृद्धि

कृषि में आर्थिक सुधार

- कृषि उत्पादन, विपणन, लाभप्रदता, निर्यात और किसानों की आय में सुधार हेतु सरकार द्वारा किए गए नीतिगत परिवर्तन।
- इन सुधारों का उद्देश्य है:
  - ✓ दक्षता बढ़ाना
  - ✓ गरीबी कम करना
  - ✓ कृषि का आधुनिकीकरण
  - ✓ निजी निवेश को बढ़ावा देना
  - ✓ वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना

कृषि आर्थिक सुधारों के उद्देश्य

(1) कृषि उत्पादकता में वृद्धि

- ✓ उपयोग:
  - उच्च उपज वाले बीज (HYV Seeds)
  - उर्वरक
  - मशीनीकरण
  - सिंचाई

(2) किसानों की आय में वृद्धि

- ✓ माध्यम:
  - बेहतर बाजार मूल्य
  - सब्सिडी
  - निर्यात
  - मूल्य संवर्धन

(3) ग्रामीण गरीबी में कमी

- ✓ उत्पन्न करना:
  - रोजगार
  - ग्रामीण उद्योग
  - कृषि-प्रसंस्करण

(4) खाद्य सुरक्षा में सुधार

- ✓ उपलब्धता सुनिश्चित करना:
  - गेहूँ
  - चावल
  - दालें
  - तिलहन

(5) कृषि निर्यात को बढ़ावा

- ✓ विदेशी मुद्रा आय में वृद्धि।

हरित क्रांति – पहला प्रमुख कृषि सुधार

- **शुरुआत:**
  - ✓ 1960 के दशक में
- **प्रमुख वैज्ञानिक:**
  - ✓ Dr. M. S. Swaminathan
- **घटक**
  - ✓ **HYV बीज**
    - उच्च उपज देने वाली किस्में।
- **सिंचाई विस्तार**

Toppersnotes Unleash the topper in you

- ✓ नहरों और ट्यूबवेल का उपयोग।
- **उर्वरक और कीटनाशक**
  - ✓ फसल उत्पादकता में सुधार।
- **मशीनीकरण**
  - ✓ **उपयोग:**
    - ट्रैक्टर
    - हार्वेस्टर
    - पंप

हरित क्रांति का प्रभाव

- **सकारात्मक प्रभाव**

लाभ	व्याख्या
उत्पादन में वृद्धि	खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा
खाद्य आत्मनिर्भरता	आयात में कमी
किसानों की आय में वृद्धि	बेहतर उत्पादकता
ग्रामीण रोजगार	कृषि-उद्योगों का विस्तार

- **नकारात्मक प्रभाव**
  - ✓ मृदा क्षरण
  - ✓ जल स्तर में कमी
  - ✓ क्षेत्रीय असंतुलन
  - ✓ रसायनों का अत्यधिक उपयोग

उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (LPG सुधार) – 1991

- भारत ने 1991 में LPG सुधार लागू किए।
- इन सुधारों ने कृषि को प्रभावित किया:
  - ✓ व्यापार उदारीकरण
  - ✓ निर्यात प्रोत्साहन
  - ✓ निजी निवेश

कृषि में उदारीकरण :-

- सरकारी प्रतिबंधों में कमी:
  - ✓ व्यापार
  - ✓ विपणन
  - ✓ निवेश
- **प्रभाव**
  - ✓ **सकारात्मक**
    - प्रतिस्पर्धा में वृद्धि
    - बेहतर तकनीक
    - निर्यात के अवसर
  - ✓ **नकारात्मक**
    - मूल्य में उतार-चढ़ाव
    - वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दबाव

कृषि में निजीकरण :-

- निजी कंपनियों की बढ़ती भूमिका:
  - ✓ बीज
  - ✓ उर्वरक

Toppersnotes Unleash the topper in you

- ✓ कोल्ड स्टोरेज
- ✓ खाद्य प्रसंस्करण

- **लाभ**
  - ✓ बेहतर बुनियादी ढाँचा
  - ✓ बेहतर आपूर्ति श्रृंखला
  - ✓ उन्नत तकनीक
- **समस्याएँ**
  - ✓ शोषण का जोखिम
  - ✓ इनपुट लागत में वृद्धि

वैश्वीकरण और कृषि

- भारतीय कृषि का विश्व बाजारों से एकीकरण।

प्रभाव :-

- **सकारात्मक प्रभाव**
  - ✓ निर्यात वृद्धि
  - ✓ विदेशी निवेश
  - ✓ अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- **नकारात्मक प्रभाव**
  - ✓ विदेशी उत्पादों से प्रतिस्पर्धा
  - ✓ वैश्विक कीमतों पर निर्भरता

कृषि विपणन सुधार

विपणन सुधारों की आवश्यकता

- किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ा जैसे:
  - ✓ बिचौलियों द्वारा शोषण
  - ✓ खराब भंडारण
  - ✓ कम कीमतें

APMC अधिनियम

(कृषि उपज मंडी समिति)

- **उद्देश्य**
  - ✓ कृषि बाजारों यानी मंडियों को विनियमित करना।
- **कार्य**
  - ✓ उचित मूल्य निर्धारण
  - ✓ शोषण की रोकथाम
  - ✓ संगठित व्यापार
- **APMC की समस्याएँ**
  - ✓ व्यापारियों का एकाधिकार
  - ✓ सीमित प्रतिस्पर्धा
  - ✓ कमीशन शुल्क

अनुबंध खेती

- फसल उत्पादन के लिए किसान और कंपनी के बीच समझौता।
- **विशेषताएँ**
  - ✓ कंपनी प्रदान करती है:
    - बीज
    - तकनीक

- सुनिश्चित खरीद

➢ **लाभ**
- ✓ सुनिश्चित बाजार
- ✓ बेहतर तकनीक
- ✓ जोखिम में कमी

➢ **हानियाँ**
- ✓ कंपनियों पर निर्भरता
- ✓ शोषण का जोखिम

किसान उत्पादक संगठन (FPOs)

➢ किसानों का समूह जो सामूहिक रूप से कार्य करता है।

➢ **उद्देश्य**
- ✓ सामूहिक विपणन
- ✓ इनपुट लागत में कमी
- ✓ बेहतर मोलभाव क्षमता

➢ **महत्व**
- ✓ FPOs छोटे किसानों को बड़े बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने में मदद करते हैं।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)

➢ फसलों के लिए सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मूल्य।

➢ **उद्देश्य**
- ✓ किसानों को बाजार में कम कीमतों से सुरक्षा प्रदान करना।

➢ **महत्वपूर्ण MSP फसलें**
- ✓ गेहूँ
- ✓ दालें
- ✓ चावल
- ✓ तिलहन

➢ **MSP के लाभ**
- ✓ आय सुरक्षा
- ✓ शोषण में कमी
- ✓ उत्पादन को प्रोत्साहन

➢ **समस्याएँ**
- ✓ सीमित खरीद
- ✓ क्षेत्रीय असंतुलन

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS)

➢ **उद्देश्य**
- ✓ रियायती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना।

➢ **महत्व**
- ✓ खाद्य सुरक्षा
- ✓ खरीद प्रणाली के माध्यम से किसानों को समर्थन
- ✓ गरीबी में कमी

फसल बीमा सुधार

➢ **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PM Fasal Bima Yojana)**
- ✓ निम्न स्थितियों के विरुद्ध बीमा प्रदान करती है:
  - बाढ़
  - सूखा
  - कीट आक्रमण

लाभ

- जोखिम में कमी
- आय स्थिरता

सिंचाई सुधार

- **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PM Krishi Sinchai Yojana)**
- **उद्देश्य**
  - ✓ "हर खेत को पानी"
- **लाभ**
  - ✓ जल संरक्षण
  - ✓ सूखे के प्रभाव में कमी
  - ✓ उत्पादकता में वृद्धि

सब्सिडी सुधार

- **कृषि सब्सिडी**
  - ✓ सरकार निम्न पर सब्सिडी प्रदान करती है:
    - उर्वरक
    - सिंचाई
    - बिजली
    - बीज
- **लाभ**
  - ✓ उत्पादन लागत में कमी
  - ✓ खेती को प्रोत्साहन
- **समस्याएँ**
  - ✓ राजकोषीय बोझ
  - ✓ रसायनों का अत्यधिक उपयोग

खाद्य प्रसंस्करण सुधार

- **महत्व**
  - ✓ कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्धन।
- **लाभ**
  - ✓ निर्यात में वृद्धि
  - ✓ बर्बादी में कमी
  - ✓ रोजगार सृजन

जैविक खेती सुधार

- **आवश्यकता**
  - ✓ रासायनिक खेती को कम करना।
- **लाभ**
  - ✓ निर्यात की मांग
  - ✓ सतत कृषि
  - ✓ मृदा स्वास्थ्य

World Trade Organization (WTO)

- **स्थापना:** 1995
- **कृषि समझौता (Agreement on Agriculture - AoA)**
  - ✓ मुख्य फोकस:
    - बाजार पहुँच
    - निर्यात सब्सिडी

Toppersnotes Unleash the topper in you

- घरेलू समर्थन

- **भारतीय कृषि पर WTO का प्रभाव**
  - ✓ **सकारात्मक प्रभाव**
    - निर्यात के अवसर
    - वैश्विक बाजार तक पहुँच
  - ✓ **नकारात्मक प्रभाव**
    - विकसित देशों से प्रतिस्पर्धा
    - सब्सिडी पर दबाव

आयात (Import) का अर्थ

- विदेशी देशों से वस्तुएँ खरीदना।

उदाहरण:

- भारत आयात करता है:
  - ✓ खाद्य तेल
  - ✓ उर्वरक
  - ✓ दालें

निर्यात (Export) का अर्थ

- विदेशी देशों को वस्तुएँ बेचना।

उदाहरण

- भारत निर्यात करता है:
  - ✓ बासमती चावल
  - ✓ कपास
  - ✓ चाय
  - ✓ आम
  - ✓ मसाले

कृषि आयात का महत्व

- **आयात के कारण**

  (1) घरेलू कमी
  - जब उत्पादन कम होता है।

  (2) मूल्य स्थिरीकरण
  - महँगाई को नियंत्रित करना।

  (3) औद्योगिक आवश्यकताएँ
  - उर्वरक और मशीनरी का आयात।

कृषि निर्यात का महत्व

लाभ :-

- **विदेशी मुद्रा आय**
  - ✓ अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाती है।
- **किसानों की आय में वृद्धि**
  - ✓ बेहतर अंतरराष्ट्रीय मूल्य प्राप्त होते हैं।
- **रोजगार सृजन**
  - ✓ प्रसंस्करण और परिवहन उद्योगों का विकास होता है।
- **वैश्विक पहचान**

Toppersnotes Unleash the topper in you

- ✓ भारतीय उत्पादों को विश्व बाजार मिलता है।

APEDA

(कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण)

- **स्थापना:** 1985
- **कार्य**
    - ✓ कृषि निर्यात को बढ़ावा देना
    - ✓ गुणवत्ता प्रमाणन
    - ✓ निर्यात सहायता
- **महत्वपूर्ण उत्पाद**
    - ✓ आम
    - ✓ चावल
    - ✓ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ

निर्यात प्रोत्साहन उपाय

सरकारी उपाय

- **निर्यात सब्सिडी**
    - ✓ वित्तीय सहायता।
- **गुणवत्ता सुधार**
    - ✓ अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन।
- **कोल्ड चेन विकास**
    - ✓ उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखना।
- **खाद्य प्रसंस्करण प्रोत्साहन**
    - ✓ मूल्य संवर्धित निर्यात।

कृषि निर्यात की समस्याएँ

प्रमुख चुनौतियाँ :

- **कमजोर आधारभूत संरचना**
    - ✓ भंडारण और परिवहन की समस्याएँ।
- **गुणवत्ता मानक**
    - ✓ अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता आवश्यकताएँ।
- **मूल्य में उतार-चढ़ाव**
    - ✓ वैश्विक बाजार की अस्थिरता।
- **छोटी भूमि जोतें**
    - ✓ कम निर्यात-स्तरीय उत्पादन।

कृषि व्यापार और किसान

- **सकारात्मक प्रभाव**
    - ✓ बेहतर कीमतें
    - ✓ निर्यात के अवसर
    - ✓ उच्च उत्पादन

Toppersnotes Unleash the topper in you

- **नकारात्मक प्रभाव**
  - ✓ वैश्विक प्रतिस्पर्धा
  - ✓ बाजार की अनिश्चितता

कृषि व्यापार में तकनीक की भूमिका

- **डिजिटल प्लेटफॉर्म**
  - ✓ ऑनलाइन व्यापार बाजार तक पहुँच को बेहतर बनाता है।
- **कोल्ड स्टोरेज**
  - ✓ उत्पाद खराब होने से बचते हैं।
- **लॉजिस्टिक्स विकास**
  - ✓ तेज परिवहन से निर्यात में सुधार होता है।

आर्थिक विकास में कृषि की भूमिका

- कृषि निम्न माध्यमों से योगदान देती है:
  - ✓ GDP वृद्धि
  - ✓ खाद्य सुरक्षा
  - ✓ निर्यात
  - ✓ ग्रामीण रोजगार
  - ✓ उद्योगों के लिए कच्चा माल

कृषि नियोजन

- कृषि लक्ष्यों को निर्धारित करने तथा उपलब्ध संसाधनों को अधिकतम कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास के लिए व्यवस्थित करने की प्रक्रिया को कृषि नियोजन कहते हैं।
- इसमें शामिल हैं:
  - ✓ फसल नियोजन
  - ✓ सिंचाई नियोजन
  - ✓ संसाधन आवंटन
  - ✓ बाजार नियोजन
  - ✓ ग्रामीण विकास नियोजन

कृषि नियोजन के उद्देश्य

(1) कृषि उत्पादन में वृद्धि
  - ✓ आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके फसल उत्पादन बढ़ाना।

(2) खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना
  - ✓ जनसंख्या के लिए पर्याप्त खाद्य उपलब्ध कराना।

(3) किसानों की आय में वृद्धि
  - ✓ बेहतर नियोजन द्वारा लाभप्रदता बढ़ाना।

(4) संसाधनों का कुशल उपयोग
  - ✓ निम्न का उचित उपयोग:
    - भूमि
    - जल
    - बीज
    - उर्वरक
    - श्रम

(5) संतुलित क्षेत्रीय विकास
  - ✓ क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना।

(6) रोजगार सृजन

Toppersnotes Unleash the topper in you

- ✓ ग्रामीण रोजगार के अवसर उत्पन्न करना।

(7) सतत कृषि

- ✓ मिट्टी, जल और पर्यावरण की सुरक्षा करना।

कृषि नियोजन की आवश्यकता

- **जनसंख्या वृद्धि**
  - ✓ बढ़ती जनसंख्या के लिए अधिक भोजन की आवश्यकता।
- **सीमित संसाधन**
  - ✓ भूमि और जल सीमित हैं।
- **जलवायु अनिश्चितता**
  - ✓ सूखा और बाढ़ प्रबंधन की आवश्यकता।
- **किसान कल्याण**
  - ✓ आय बढ़ाना और गरीबी कम करना।
- **तकनीकी प्रगति**
  - ✓ आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाना।

कृषि नियोजन के प्रकार

(A) अल्पकालीन नियोजन

- ✓ **अवधि**
  - 1 वर्ष या उससे कम।
- ✓ **उदाहरण**
  - मौसमी फसल नियोजन
  - उर्वरक आवश्यकता नियोजन
- ✓ **उद्देश्य**
  - तत्काल कृषि समस्याओं का समाधान करना।

(B) मध्यमकालीन नियोजन

- ✓ **अवधि**
  - 1–5 वर्ष।
- ✓ **उदाहरण**
  - सिंचाई परियोजनाएँ
  - कृषि मशीनीकरण कार्यक्रम

(C) दीर्घकालीन नियोजन

- ✓ **अवधि**
  - 5 वर्ष से अधिक।
- ✓ **उदाहरण**
  - हरित क्रांति
  - सतत कृषि योजनाएँ
  - नदी जोड़ परियोजनाएँ

कृषि नियोजन के स्तर

(A) राष्ट्रीय स्तर का नियोजन

- ✓ तैयार किया जाता है:

- केंद्र सरकार
- NITI Aayog

✓ **उद्देश्य**

- खाद्य सुरक्षा
- राष्ट्रीय कृषि विकास
- निर्यात प्रोत्साहन

(B) राज्य स्तर का नियोजन

✓ तैयार किया जाता है:

- राज्य सरकारों द्वारा

✓ **प्रमुख फोकस क्षेत्र**

- क्षेत्रीय फसलें
- सिंचाई
- राज्य कृषि नीतियाँ

(C) जिला स्तर का नियोजन

✓ **मुख्य फोकस:**

- स्थानीय संसाधन
- किसानों की आवश्यकताएँ
- फसल उपयुक्तता

(D) ग्राम स्तर का नियोजन

✓ निम्न आधारों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है:

- मिट्टी का प्रकार
- स्थानीय जलवायु
- जल उपलब्धता

कृषि नियोजन के घटक

महत्वपूर्ण घटक :

➢ **भूमि उपयोग नियोजन**

✓ कृषि भूमि का उचित उपयोग।

➢ **सिंचाई नियोजन**

✓ जल का कुशल प्रबंधन।

➢ **फसल नियोजन**

✓ उपयुक्त फसलों का चयन।

➢ **पशुधन नियोजन**

✓ डेयरी और पशुपालन का विकास।

➢ **विपणन नियोजन**

✓ बेहतर भंडारण और विपणन सुविधाएँ।

➢ **ऋण नियोजन**

✓ कृषि ऋण की उपलब्धता।

भूमि उपयोग नियोजन

➢ निम्न के अनुसार भूमि का वैज्ञानिक उपयोग:

✓ मिट्टी का प्रकार

✓ वर्षा